अब खुले जंगल में घूमेंगे चीते : सीएम

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 11 मई। मध्यप्रदेश वाइल्डलाइफके लिए 11 मई का दिन खास रहा। दो और चीते अपने बाड़े से निकल कर खुले जंगल में पहुंच गए। अब दोनों प्रदेश के साथ-साथ दूसरे राज्यों के इको-सिस्टम को मजबूत करने में सहयोग करेंगे। दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्योपुर जिले स्थित कूनो नेशनल पार्क पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले कूनो नेशनल पार्क का भ्रमण किया। यहां दो मादा चीतों को बाड़े से मुक्त कर दिया।

प्रदेश के मुखिया ने किया कूनो नेशनल पार्क का भ्रमण

इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश धर्म, निवेश एवं जैनेटिक जैव विविधता के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका और अब बोत्सवाना से लाए गए चीतों के पुनर्स्थापन को निरंतर सफलता मिल रही है। आज प्रदेश ने देश में चीता स्टेट के रूप में पहचान बनाई है। वर्तमान में चीतों की संख्या 57 है, जिनमें से 54 कूनो नेशनल पार्क में और 03 गांधी सागर अभ्यारण्य में हैं।

मध्यप्रदेश ने बनाया एक नया इतिहास : भ्रमण के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से कहा कि मध्यप्रदेश ने एक नया इतिहास बनाया है। हमने आज कूनो नेशनल पार्क में बोत्सवाना से लाए गए दो मादा चीतों को छोड़ा है। हमने सह-अस्तित्व की भावना प्रकट करते हुए दोनों को खुले जंगल में, खुले वातावरण में प्रकृति के साथ रहने के लिए छोड़ा है। मैं श्योपुर और चंबल के क्षेत्र के लोगों को बधाई देता हूं।

इन चीताों का बसेरा अब 5 हजार किमी में हुआ है। हमारे लिए गौरव की बात है कि अब ये हमारे साथ परिवार की तरह रहने लगे हैं। हमें पता ही नहीं चलता कि कब हमारा चीता दौड़ते-दौड़ते राजस्थान पहुंच जाता है। उन्होंने कहा कि चीते चंबल के इलाकों ग्वालियर-शिवपुरी-राजगढ़ सहित कई इलाकों में दस्तक दे रहे हैं। हमें इन चीतों के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ी सौगात दी है। मैं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को भी बधाई देता हूं। मैं उन सभी अधिकारियों को बधाई देता हूं, जिन्होंने प्रोजेक्ट चीता के लिए अथक पसीना बहाया है। उन्होंने कहा कि कूनो नेशनल पार्क प्रोजेक्ट चीता का नया रिकॉर्ड बना रहा है। हमारे फॉरेस्ट के अधिकारी, मेडिकल स्टाफके लोग, यहां के संरक्षक, स्थानीय जनों और चीतों ने एक-दूसरे को परिवार मान लिया है। यह विश्व की अनूठी घटना है। यह फॉरेस्ट विभाग के लिए गौरव की बात है। चीते जीवन बिताने के लिए इस माहौल में ढल गए हैं।

यह इको-सिस्टम के लिए अच्छा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जो चीते मिले थे, धीरे-धीरे हम उनको खुले वातावरण में छोड़ रहे हैं। हम जीयो और जीने-दो के सिद्धांत पर विश्वास करते हैं।

ज्यादा जेनेटिक विविधता लेकर आए बोत्सवाना की चीते : वाइल्डलाइप एक्सपर्ट्स का मानना है कि बोत्सवाना से लाए गए चीते ज्यादा जेनेटिक विविधता लेकर आए हैं। इनसे कूनो में चीतों की स्वस्थ और दीर्घकालिक आबादी विकसित करने में मदद मिलेगी। एक्सपर्ट्स ने यह भी उम्मीद जताई है कि ये चीते कूनो के वातावरण में तेजी से घुल-मिल जाएंगे। इन चीतों को गांधी सागर और नौरादेही जैसे अन्य अभ्यारण्यों में भी बसाने की तैयारी की जा रही है।

वाइल्ड लाइफ में जुड़ा अहम अध्याय

गौरतलब है कि, इसी साल फरवरी के अंत में बोत्सवाना से 9 नए चीते कूनो नेशनल पार्क लाए गए थे। इनमें 6 मादा और 3 नर शामिल हैं। यहां लाने के बाद इन सभी को क्वारंटीन किया गया था। क्वारंटीन की अवधि पूरी करने के बाद सभी को छोटे बाड़ों में रखा गया। इससे वे स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप ढल गए। इन्हीं 9 में से 2 चीतों को आज खुले जंगल में छोड़ा गया है। इन चीतों को खुले जंगल में छोड़ने से 'प्रोजेक्ट चीता' को नई गति मिलेगी। इससे भारत की वाइल्डलाइफके इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ेगा।

कब-कब कहां-कहां से लाए गए चीते

इन चीतों के साथ ही भारत में चीतों की कुल संख्या 57 हो गई है। बता दें, नामीबिया से 17 सितंबर 2022 को 8, वर्ष 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते कूनो नेशनल पार्क लाए गए थे। बोत्सवाना से आए चीतों को भारतीय वायुसेना के विशेष विमान के माध्यम से ग्वालियर लाया गया था। यहां से उन्हें हेलीकॉप्टर द्वारा कूनो नेशनल पार्क पहुंचाया गया। प्रोजेक्ट चीता का उद्देश्य प्रदेश से लुप्त हुये चीतों की प्रजाति को पुनर्स्थापित करना, उनकी संख्या में वृद्धि करना और उन्हें स्वतंत्र रूप से शिकार और विचरण के लिए तैयार करना।

पॉलीटेक्निक कॉलेज में पंजीयन 31 तक

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 11 मई। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय श्योपुर में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है, प्रवेश लेने की अंतिम 31 मई 2026 निर्धारित है। प्राचार्य महाविद्यालय ने बताया कि वर्तमान में महाविद्यालय की तीन ब्रांच सिविल इंजीनियरिंग, कम्प्युटर साइंस इंजीनियरिंग एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग संचालित है। इच्छुक विद्यार्थी इन ब्रांचो में प्रवेश के लिए महाविद्यालय आकर रजिस्टर में अपना पंजीयन करा सकते है।

प्राचार्य पॉलीटेक्निक कॉलेज ने बताया कि कॉलेज में मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कम्प्युटर इंजीनियरिंग एवं सिविल इंजीनियरिंग की 54-54 सीटो पर प्रवेश दिया जायेगा। वार्षिक परीक्षा फीस 7500 रूपये निर्धारित है। कॉलेज की ओर से विद्यार्थियों को आवास की सुविधा के साथ ही छात्राओं को प्रतिवर्ष 50 हजार रूपये तथा छात्रों को प्रतिवर्ष 12 हजार रूपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी। डिप्लोमा इंजीनियर के लिए अग्निवीर योजना में 50 प्रतिशत बोनस अंक का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि डिप्लोमा इंजीनियर बनने के लिए इच्छुक 10वी पास विद्यार्थी पॉलीटेक्निक कॉलेज श्योपुर में प्रातः 11 बजे से सांय 05 बजे तक संपर्क कर सकते है। उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2025 में कॉलेज के फाइनल ईयर के 80 प्रतिशत विद्यार्थियों का प्लेसमेंट जूनियर इंजीनियर पद पर हुआ है, शेष छात्रों द्वारा उच्च अध्ययन के लिए सीधे बीटेक के द्वितीय वर्ष में प्रवेश लिया गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय भोपाल से संबद्व इस कॉलेज की कम्प्युटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की छात्रा हर्षिता मीणा ने 80.04 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संस्था में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार ऋद्धी जादौन ने 79.3 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय, किरण एवं नूतन जाट ने तृतीय एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त किया है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में जय यादव ने 79.6 प्रतिशत तथा सिविल इंजीनियरिंग में केशव शर्मा ने 78.4 प्रतिशत अंक प्राप्त अपनी-अपनी ब्रांच में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

बिजली बिल में सुधार व समस्याओं के संबंध में कैम्प 14 से

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 11 मई। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विधुत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा उपभोक्ताओं से संपर्क में रहने के उद्देश्य से संपर्क अभियान योजना लागू की गई है, जिसके तहत जिले के समस्त ग्रामों एवं शहरी क्षेत्र के वार्डो को शामिल कर कलस्टर बनाये गये है। विधुत वितरण केन्द्रवार बनाये गये इन कलस्टरों पर आगामी निर्धारित तिथियों पर शिविर लगाये जायेंगे। प्रथम कलस्टर अंतर्गत 14 मई को सभी विधुत वितरण केन्द्रों के लिए शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

महाप्रबंधक लक्ष्मीनारायण पाटीदार ने बताया कि शिविर के माध्यम से बिल सुधार, मीटर से संबंधित तथा सर्विस केबल से संबंधित, कनेक्शन, भुगतान सहित तकनीकी सेवाओं से संबंधित विभिन्न समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 14 मई को विधुत वितरण केन्द्र भोगिका तिराहा अंतर्गत दांतरदा, ढोढर केन्द्र अंतर्गत ग्राम ढोढर में, वितरण केन्द्र ढोटी अंतर्गत ग्राम अडवाड में, वितरण केन्द्र सोईकंला अंतर्गत ग्राम सोईकलां में, वितरण केन्द्र विजयपुर-2 अंतर्गत ग्राम सुनवई में, वितरण केन्द्र गसवानी अंतर्गत ग्राम गसवानी में, वितरण केन्द्र रघुनाथपुर अंतर्गत ग्राम बरोली में, वितरण केन्द्र वीरपुर अंतर्गत ग्राम भमपुरा में, वितरण केन्द्र विजयपुर-1 अंतर्गत ग्राम मैदावली में, वितरण केन्द्र बडौदा अंतर्गत ग्राम अलापुरा में, वितरण केन्द्र कराहल अंतर्गत ग्राम सिलपुरी में, वितरण केन्द्र पाण्डोला अंतर्गत ग्राम पाण्डोला में, वितरण केन्द्र श्योपुर ग्रामीण अंतर्गत नयागांव ढोढपुर में तथा वितरण केन्द्र श्योपुर शहर अंतर्गत वार्ड नंबर 02 में शिविर लगाये जायेगे।

पीएम श्रमयोगी मानधन पेंशन योजना

श्योपुर, 11 मई। केंद्र सरकार द्वारा असंगठित कर्मकारों को वृद्धावस्था सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना प्रारंभ की गयी हैं। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा उक्त योजना में अधिक से अधिक श्रमिकों को लाभ प्रदान करने के निर्देश दिये गये है। श्रम विभाग द्वारा बताया गया है कि इस योजना में लाभ प्राप्त करने के लिए आयु 18 से 40 वर्ष होनी चाहिए तथा मासिक आय अधिकतम 15 हजार निर्धारित है, आयकर दाता नहीं होना चाहिए, ई.एस.आई एवं ई.पी.एफमें सम्मिलित न हो, हितग्राही को 60 वर्ष की आयु के बाद 3 हजार रुपये मासिक पेंशन प्राप्त होगी, हितग्राही द्वारा दिए जाने वाला मासिक अंशदान ऑटो डेबिट सुविधा से 55 से 200 रुपये (आयु अनुसार), हितग्राही के मासिक अंशदान के सामान राशि का अंशदान केंद्र सरकार द्वारा किया जावेगा, पंजीयन सी.एस.सी. (कॉमन सर्विस सेण्टर) पर आधार कार्ड एवं बचत खाता, जनधन खाता ले जाकर कराया जा सकता है।

जल संरचनाओं को सहेजने के कार्य जारी

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 11 मई। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद के निर्देशन में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरचनाओं के संरक्षण के लिए जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण के कार्य जारी है। इसी क्रम में आदिवासी विकासखण्ड कराहल के ग्राम बरगवा में कूप तथा पशु होद के नवीनीकरण, बुढेरा में स्पोट सोर्स पेयजल टंकी तथा सेसईपुरा में कूप नवीनीकरण के कार्य कराये गये है। इसी के साथ ग्राम सेसईपुरा में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण भी कराया गया है।

इसी प्रकार विकासखण्ड श्योपुर अंतर्गत प्राचीन एवं एतिहासिक बावडियों के संरक्षण के लिए कराये जा रहे कार्यो के क्रम में बर्धा बुजुर्ग स्थित प्राचीन बावडी का रंग-रोगन कर आकर्षक बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि श्योपुर से 6 किलोमीटर दूर ग्राम बर्धा बुजुर्ग की बावडी का निर्माण श्योपुर के गौड राजाओं के शासनकाल में करवाया गया था।

अज्ञात वाहन की स्विफ्ट कार से टक्कर

नवभारत न्यूज
मालनपुर, 11 मई। मौत का हाईवे बन चुके नेशनल हाईवे-719 पर सोमवार सुबह एक और बड़ा हादसा हो गया।जानकारी के अनुसार, देवेंद्र सिंह तोमर अपनी मारुति स्विफ्ट कार क्रमांक एमपी07-एमएल-3664 से ग्वालियर आ रहे थे। कार में उनके साथ लज्जाराम पुत्र रामेश्वर दयाल श्रीवास (उम्र 65 वर्ष), विमल राठौर, सोमता राठौर, अवध बिहारी शर्मा और परी राठौर, सभी निवासी गण कठुवा हाजी थाना गोहद, सवार थे।जैसे ही कार मालनपुर थाना क्षेत्र में बंद पड़ी एमपी आयरन फैक्ट्री के समीप पहुंची, एक अज्ञात वाहन ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार उछलकर खंती में जा गिरी।

एक की मौत, पांच गंभीर घायल, ग्वालियर रेफर

हादसे में कार सवार लज्जाराम श्रीवास की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक समेत पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए ग्वालियर रेफर कर दिया।पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

किराना दुकान व फ्लोरमिल का संचालन कर आत्मनिर्भर बनी गीता

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 11 मई। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद के निर्देशन में एनआरएलएम अंतर्गत संचालित स्वसहायता समूह से जुडी महिलाएं आजीविका मूलक गतिविधियों को अपनाकर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही है।

स्वसहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रहीं महिलाएं

समूह से जुडने से पहले और समूह से जुडने के बाद इन महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में बदलाव आया है।

श्योपुर जिले की विजयपुर तहसील के ग्राम धौरेरा निवासी महिला श्रीमती गीता बाई धाकड स्वसहायता समूह जय दूल्हा देव बाबा की अध्यक्ष है, इन्होंने अपने समूह से ऋण लेकर अपनी किराना दुकान को बढाने का कार्य किया और धीरे-धीरे समूह के माध्यम से किराना दुकान के साथ ही गांव में फ्लोरमिल (आटा चक्की) लगाई। एक साथ दो गतिविधियों के होने से महिला की परिवार की आर्थिक स्थिति में बदलाव आया है। समूह की अध्यक्ष श्रीमती गीता बाई धाकड का कहना है कि समूह से जुडने से पहले वे एक आम गृहणी थी तथा व्यापार व्यवसाय तो दूर की बात, बल्कि किसी अन्य के सामने बात करने में भी संकोच करती थी, लेकिन समूह की बैठको और अन्य गतिविधियो में भाग लेने से उनका संकोच दूर हुआ और उन्होंने भी समूह की अन्य महिलाओं की तरह अपनी छोटी सी किराना दुकान को बडा करने के लिए ऋण प्राप्त किया। इस ऋण को चुकाने के बाद उन्होंने गांव में ही आटा चक्की लगाने के लिए फिर से ऋण प्राप्त किया और अब किराना दुकान के साथ ही आटा चक्की का संचालन कर रही है। दोनो रोजगारमूलक गतिविधियों के माध्यम से वे 25 हजार रूपये मासिक आमदनी प्राप्त कर रही है। इससे उनके परिवार में आर्थिक संपन्नता एवं खुशहाली आई है।

शपथ पत्र (संबंध विच्छेत सूचना)

नाम-मोडू लाल जागा पुत्र रामकरण आयु 72 वर्ष जाति जागा निवासी मुक्तिनाद नगर वार्ड क्रमांक 14 श्योपुर तहसील व जिला श्योपुर मध्य प्रदेश आधारकार्ड क्रमांक 3409 4126 9677 मैं शपथ पूर्वक सत्य कथन करता हूँ कि 1-यह कि मेरे पुत्र कुंजबिहारी जागा व रणबीर जागा व बन्टी जागा आए दिन मुझसे लड़ाई झगड़ा करते है एवं मेरे तीनों पुत्र कुजबिहारी जागा व रणवीर जागा व बन्टी जागा उल्टे सीधे कार्य करते हैं। 2-यह कि मेरे तीनों पुत्र कुंजबिहारी जागा व रणबीर जागा व बन्टी जागा घर पर नहीं रहते है रात्रि को घर पर आते है एवं कभी कभी आते नहीं है जब मैं पूछता हूँ तो मुझे कुछ नहीं बताते 3-यह कि मेरे तीनों पुत्र कुंजबिहारी जागा व रणबीर जागा व बन्टी जागा मुझसे प्लॉट व मकान व जमीन एवं पैतृक व्यवसाय जागा (पोती) जजमानी मुझसे छिनना चाहते हैं। 4- यह कि मेरे तीनों पुत्रों कुंजबिहारी जागा व रणबीर जागा व बन्टी जागा द्वारा किसी भी तरह की घटना घटित की जाती है तो उसके जवाबदार यह तीनों कुंजबिहारी जागा व रणबीर जागा ब बन्टी जागा स्वयं होंगे तथा मुझे तीलों पुत्र कुंजबिहारी जागा व रणबीर जागा व बन्टी जागा बार बार मरने की धमकी देते है तथा झूठे केस में फसाने की धमकी देते हैं। 5-यह कि मेरे तीनों पुत्र कुंजबिहारी जागा व रणबीर जागा व बन्टी जागा बाजार में किसी भी तरह का लेन देन करते हैं और किसी का कर्ज बाकी रहता है तो उसके जवाबदार वह तीनों कुंजबिहारी जागा व रणवीर जागा व बन्टी जागा स्वयं होंगे। 6-यह कि मैं मेरे तीनों पुतों कुजबिहारी जागा व रणबीर जागा व बन्टी जागा को मेरी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति व जिन्दगी से बेदखल करता हूँ मेरे तीनों पुत्रों कुंजबिहारी जागा व रणवीर जागा व बन्टी जागा का मेरी सम्पत्ति से कोई लेना देना नहीं है।

हस्ताक्षर शपथकर्ता
मोडूलाल
निवासी मुक्तिनाद नगर वार्ड क्रमांक 14 श्योपुर, तहसील व जिला श्योपुर मध्य प्रदेश

मध्यप्रदेश में लाखों परिवारों को मिल रहा आर्थिक सुरक्षा कवच

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 11 मई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2015 में प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक और जनहितकारी पहल सिद्ध हुई हैं। इन योजनाओं ने गरीब, वंचित, श्रमिक, किसान एवं निम्न आय वर्ग के करोड़ों परिवारों को आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार प्रदान किया है।

सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक पहल हैं प्रधानमंत्री की जन-सुरक्षा योजनाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जन-सुरक्षा की इन तीनों योजनाओं ने सफलतापूर्वक सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के 11 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक कम लागत में बीमा और पेंशन सुविधाएं पहुंचाना है। मध्यप्रदेश में भी राज्य सरकार द्वारा बैंकिंग संस्थाओं, डाकघरों एवं संबंधित विभागों के समन्वय से योजनाओं का लाभ अधिकाधिक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है।

आम नागरिकों की विपत्ति का संबल बनी प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना : प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के माध्यम से नागरिकों को अत्यंत कम प्रीमियम पर जीवन बीमा सुरक्षा उपलब्ध हो रही है। योजना के अंतर्गत किसी भी कारण से मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये तक का जीवन बीमा कवर प्रदान किया जाता है। इस योजना में 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के बैंक खाताधारक शामिल हो सकते हैं। योजना का वार्षिक प्रीमियम मात्र 436 रुपये है, जिसे ऑटो-डेबिट के माध्यम से खातों से जमा किया जाता है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में अप्रैल 2026 तक के अंतर्गत देशभर में 27.43 करोड़ से अधिक नामांकन हो चुके हैं तथा 10 लाख 75 हजार से अधिक दावों के लिए 21 हजार 512 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया जा चुका है। योजना के अंतर्गत 12.72 करोड़ महिलाओं तथा 8.09 करोड़ प्रधानमंत्री जन-धन खाताधारकों का नामांतर हुआ है।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना ने हादसों में संभाले गरीब परिवार : प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना दुर्घटना की स्थिति में गरीब एवं सामान्य परिवारों के लिए बड़ा आर्थिक संबल बनकर उभरी है। इस योजना में दुर्घटना से मृत्यु अथवा स्थायी दिव्यांगता की स्थिति में 2 लाख रुपये तथा आंशिक दिव्यांगता की स्थिति में 1 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान की जाती है। योजना में 18 से 70 वर्ष आयु वर्ग के बैंक खाताधारक शामिल हो सकते हैं और इसका वार्षिक प्रीमियम मात्र 20 रुपये है।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत अप्रैल 2026 तक 58.09 करोड़ से अधिक नामांकन किए जा चुके हैं तथा 1 लाख 84 हजार से अधिक दावों के लिए 3 हजार 667 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है। योजना के अंतर्गत 27.45 करोड़ महिलाओं तथा 19.30 करोड़ प्रधानमंत्री जन-धन खाताधारकों ने नामांकन कराया है।

अटल पेंशन योजना बनी असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, गरीबों की आर्थिक सुरक्षा : अटल पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, गरीबों एवं निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा का मजबूत माध्यम बन रही है। योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे बैंक खाताधारक, जो आयकरदाता नहीं हैं, शामिल हो सकते हैं। योजना में किए गए अंशदान के आधार पर 60 वर्ष की आयु के बाद 1 हजार रुपये से 5 हजार रुपये तक की गारंटीकृत मासिक पेंशन प्रदान की जाती है।

अटल पेंशन योजना के अंतर्गत ग्राहक की मृत्यु के बाद उसके जीवनसाथी को पेंशन का लाभ मिलता है तथा उसके पश्चात संचित राशि नामांकित व्यक्ति को प्रदान की जाती है। योजना में मासिक, त्रैमासिक और अर्धवार्षिक आधार पर अंशदान की सुविधा उपलब्ध है। अटल पेंशन योजना में अप्रैल 2026 तक 9.04 करोड़ से अधिक लोग नामांकन करा चुके हैं तथा योजना में महिलाओं की भागीदारी लगभग 49 प्रतिशत है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन जन-सुरक्षा पोर्टल के माध्यम से नामांकन एवं दावा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया गया है।

योजनाओं के मुख्य बिंदु

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना।
यह सामाजिक सुरक्षा योजना वर्ष 2015 में प्रारंभ की गई।
योजना 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के बैंक खाताधारकों के लिए लागू।
किसी भी कारण से मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर।
योजना का वार्षिक प्रीमियम मात्र 436 रुपये।
प्रीमियम राशि जमा करने के लिए बैंक खाते से ऑटो-डेबिट की सुविधा।
प्रतिवर्ष किया जा सकता है योजना का नवीनीकरण।
देश में 29 अप्रैल 2026 तक 27.43 करोड़ से अधिक नामांकन।
10.75 लाख से अधिक दावों के लिए 21,512 करोड़ से अधिक का भुगतान।
12.72 करोड़ से अधिक महिला हितग्राही योजना से जुड़ीं।
प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना
योजना वर्ष 2015 में प्रारंभ की गई।
इस योजना में दुर्घटना बीमा सुरक्षा प्रदान की जाती है।
योजना 18 से 70 वर्ष आयु वर्ग के बैंक खाताधारकों के लिए लागू।
दुर्घटना में मृत्यु अथवा पूर्ण स्थायी दिव्यांगता पर 2 लाख का बीमा कवर।
आंशिक स्थायी दिव्यांगता पर 1 लाख रुपये की सहायता।
वार्षिक प्रीमियम मात्र 20 रुपये। प्रीमियम ऑटो-डेबिट सुविधा के माध्यम से जमा।
29 अप्रैल 2026 तक 58.09 करोड़ से अधिक नामांकन।
1.84 लाख से अधिक दावों के लिए 3,667 करोड़ से अधिक का भुगतान।
27.45 करोड़ से अधिक महिलाओं ने कराया नामांकन।
अटल पेंशन योजना
यह योजना भी वर्ष 2015 में लागू की गई।
असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों एवं निम्न आय वर्ग के लिए पेंशन योजना।